SHRI- M.V. CHANDRASHEKHAR MURTHY. Not at all.

THE DEPUTY CHAIRMAN: . Next question.

Export of Textile Goods

*605. SHRI TINDIVANAM G. 'VENKATRAMAN:†
SHRI MISA R.GANESAN:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to' state:

(a) which is the main country to-which Indian' textile goods arc exported;

(b) what is the foreign exchange .earned during 1991, 1992 and 1993;

(c) how much .Increase -Government expect in textile exports due to. the signing of GATT: and

(d) what kind of arrangement is made to boost exports of Indian textiles to Western countries?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) The United States of America.

(b) Earnings from export of Textiles including coir, jute and handicrafts during 1991-92, 1992-93 and 1993-94 were as follows:

1991-1992	5796.84	Million US dollars
1992-1993	6589.92	Million US dollars
1993-1994	7072.26	Million US dollars
(Upto February	1994)	
(Provisional)		

(c) It is expected that integration of the textiles sector with GATT will improve exports of those products which are presently facing quota restrictions in the importing countries.

† The question was actually asked on the floor of the House by Shri Tindivanam G. Venkmraman.

(d) In order to step up exports of textiles the Government Have, *inter-alia,* taken' the following steps:

. (i) Introduction of market determined exchange ratfe system.

(ii) Facilitation of import of capital - goods, at concessional duty for production for export.

(iii) Increased availability of exports credit.

(iv) Encouraging participation in Buyers Sellers Meet', Fair's, etc.,

SHRI .TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: Madam, the answer -given in respect of part ,(a) of the question is. all right. But in regard to (b), it is not so: I asked specifically as ,to what was the foreign exchange' earned, during .1991, 1992 and 1993; in textiles. This is what. I had asked.. But he has-clubbed textiles with coir, jute and handicrafts. I want the figure separately for textiles. I would like to know: what is the foreign exchange earned in textiles during these years?

SHRI G. VENKAT SWAMY: Madam, with the specific limit of each category, the total of all specific limits is 460 million sq. metres equivalent of cloth. Group II: The overall group limit of 80 million sq. metres equivalent,

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: I am asking about the foreign exchange earned. I want it separately; the earnings in textiles. But he has clubbed so many things with it. He is giving the total figure. This was not what I wanted.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Minister, he is asking about the earnings in textiles.

DR. BIPLAB DASGUPTA: Cotton textiles. He has combined jute, coir and other things with it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Minister, your answer says: 'Earnings from export of Textiles including coir, jute and handicrafts...'.

DR. BIPLAB DASGUPTA: He means 'cotton textiles'. This is what he means.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Venkatraman has said 'textiles'.

SHRI TINDIVANAM G. VENKAT-RAMAN: Cotton textiles, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Textiles include synthetic textiles also.

SHRI TINDIVANAM G. VENKAT-RAMAN: Let there not be a leading answer from the Chair, Madam. Let him answer.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am asking him. I wish I knew the answer. I would have given you.

SHRI TINDIVANAM G. VENKAT-RAMAN: Whenever I am in trouble, the Chair always helps me.

SHRI G. VENKAT SWAMY: Madam, during 1992-93 and 1993-94 up to February, 1994, in the case of cotton textiles, it is 2,600 ....

उपसभापति: बता रहे हैं, बता रहे हैं, पढ़कर बताएंगे।

श्री जी॰ वेंकटस्वामी: मैंने कम्बाइन किया था, मगर ऑनरेबल मैम्बर चाहते हैं कि टैक्सटाइल का अलग करो, केल्क्यूलेट करके अलग कर रहा हूं, ऑनरेबल मैम्बर का सवाल करेक्ट है, काटन टैक्सटाइल का जो टोटल एक्सपोर्ट हुआ है, मैं यह इन्फारमेशन टैक्सटाइल का उन्हें भेज दूंगा।

उपसभापति: ब्रेक-अप उन्हें भेज दीजिए।

SHRI TINDIVANAM G. VENKAT-RAMAN: Madam, the answer to part (c) of my question is also unsatisfactory. My question was: 'how much increase Government expect in textile exports due to the signing of G.A.T.T?'. The answer is: it is expected that integration of the textiles sector with G.A.T.T. will improve exports of those products which arc presently facing quota restrictions in the importing countries'. Is this an answer. Madam? *(Interruptions):* This is not at all a reply. The Government is saying so many things about G.A.T.T., that this would improve our textile exports and all that; that our exports would flourish like anything. I would like to know from the hon. Minister: What are his expectations? There may be great expectations, but there may be great failures also. Therefore, please tell us as to what your expectation is. How do you say that exports would improve? How are you going to see that, by signing the G.A.T.T., textile exports improve?

श्री जी॰ वेंकटस्वामी: मैडम, यह गैट के बारे में आप जानती है कि काफी चर्चा टैक्सटाइल के बारे में हुई है और इस सिलसिले में हमारे रिप्रजेंटेटिव ने जीनिवा में बैठकर काफी चर्चा 15 दिसम्बर से पहले की। हमारे देश पर भी कोटा सिस्टम लागू है और कई सालों से हम यह कोशिश कर रहे थे कि कोटा सिस्टम बर्खास्त किया जाए। 20 सालों से इसकी कोशिश चलाने पर भी कई इंटेरस्टिड देशों ने इसको अलाउ नहीं किया, मगर इस बार पहली मर्तबा गैट में इसको शमिल करने के लिए हमने कोशिश की। उसके पहले बाइलेट्रल टाक्स के अंदर गैट पर सिग्नेचर होने से पहले सबकी कोशिश रही, मैडम, आपने देखा है कि कई उन्नत देशों ने बहुत कोशिश की कि कोटा सिस्टम को कांटीन्यू करें। हम उस के ऊपर पूरी तरह से अटल रहे। हमारे आफिशियल्स ने कोशिश की कि गैट के अंदर इस को शमिल किया जाए और एम॰एफ॰ए॰ सिस्टम को बर्खास्त किया जाए। तो आप ने देखा कि 10 साल नहीं, 15 साल और 20 साल तक इस को नहीं किया गया। हम मजबूत रहे। डंकल रिपोर्ट के हिसाब से 10 साल के अंदर...

श्री वीरेन जे॰ शाह: आप का नाम भी अटल रख दें?

श्री जी॰ वेंकट स्वामी: एक है न अटल बिहारी वाजपेयी दूसरे हाउस में। तो हमने 10 साल तक ही रखने की कोशिश की है। हम ने उस में कामयाबी हासिल की। मैं समझता हूं कि 10 साल के बाद एक्सपोर्ट कोटा फ्री होगा तो हमारी टैक्सटाइल्स का ऐक्सपोर्ट भी बढ़ेगा।

श्री आर॰ के॰ मालवीय: महोदया, यह बहुत अच्छी बात है कि भारतवर्ष से कपड़ा निर्यात होता है और विदेशी मुद्रा हम अर्जित करते हैं। मेरे सवाल के दो पार्ट हैं। पार्ट एक यह है कि जो वस्त्र निर्यात किया जाता है क्या वह प्राइवेट मिलों के द्वारा निर्मित किया हुआ कपड़ा निर्यात किया जाता है या एन॰टी॰सी॰ मिलें जो

भारत सरकार के उपक्रम हैं; उन के द्वारा बना हुआ कपड़ा निर्यात किया जाता है? पार्ट 2 में मैं विशेष रूप से मध्य प्रदेश की बात करता हूं।

उपसभापति: एक का जवाब आने दीजिए। दूसरा पार्ट दूसरे लोग पूछ लेंगे।

श्री आर॰ के॰ मालवीय: महोदया, मैं विशेष रूप से मध्य प्रदेश की बात करता हूं। मध्य प्रदेश में 7 टैक्सटाइल मिलें हैं जो भारत सरकार के उपक्रम है जो इतना अच्छा कपड़ा बनाती हैं कि जो ऐक्सपपोर्ट क्वालिटी का होता है, जैसे उज्जैन की हीरा मिल इंदौर का मालवा मिल सबसे बढ़िया यूनिटें हैं। कल्याण मिल और स्वदेशी मिल ये इंदौर के हैं। बुरहानपुर का ताप्ती मिल और भोपाल का भोपाल टैक्सटाइल मिल और राजनंदगांव का बी॰एन॰सी॰ तीर्थ मिल, ये सातों मिलें बंद पड़ी हुई है जो अच्छी क्वालिटी का अच्छा कपड़ा बनाती है और करीब 21-22 हजार मजदूर बेकार हैं और इस मीहने में आपने उनको सैलेरी भी नहीं बांटी है। डेढ़-दो हजार उसमें आफिसर वर्ग है और 21-22 हजार वहां पर मजदूर हैं......

उपसभापति: इस सवाल से इसका क्या ताल्लुक है?

श्री आर॰ के॰ मालवीय: मेरा पूछने का आशय यह है कि क्या सरकार वह एन॰टी॰सी॰ के मिलों को माडर्नाइज करके अच्छी क्वालिटी का कपड़ा विदेशों को निर्यात करके विदेशी पूंजी अर्जित कर सकते हैं?

उपसभापति: इतना ही सवाल है स्पैसिफिक। मंत्री जी जवाब दीजिए।

श्री जी॰ वेंकटस्वामी: जरूर। उस में ट्रायपार्टाइट कमेटी का डिसीजन हुआ कि एन॰टी॰सी॰ की मिलों का माडर्नाइजेशन किया जाए और जितनी भी मिलों का जिक्र माननीय सदस्य ने किया उस में मध्य प्रदेश को एन॰टी॰सी॰ मिलों के माडर्नाइजेशन की जैसा माननीय सदस्य की ख्वाहिश है, उन में अच्छे तरीके से कपड़ा तैयार हो, इसकी हम कोशिश कर रहे हैं।

SHRI PRAGADA KOTAIAH: Madam, the export of textiles includes handloom products. There is great demand in foreign countries for bedspreads, furnishing fabrics and towels, for the production of which the handloom weavers are unable to secure the counts from 10s to 40s. Their prices have gone up by more than 100 per cent. Therefore, how are you going to fulfil the policy of promoting the export of handloom products without supplying yarn to the producers to produce exportable handloom products, and what are the arrangements that you have made to supply yam at reasonable rates, particularly to the producers producing exportable handloom products?

श्री जी॰ वेंकटस्वामी: महोदया, प्रागदा कोटैया जी हमेशा हैंडलूम वीवर्स के लिए ही बात करते हैं और मैं समझता हूं कि यह बहुत अच्छी चीज भी है।

उपसभापति: उन्होंने कल भी बात की थी। Yesterday he raised the issue of increase in the price of yarn. I promised him that somebody would answer.

श्री जी॰ वेंकटस्वामी: महोदया, इस साल जो प्रोडक्शन काटन का हुआ है, वह बहुत ही कम होने की वजह से हमारे देश में ही नहीं बल्कि दूसरे देशों में भी जो कॉटन का ज्यादा प्रोडक्शन करते हैं, वहां भी कमी आई है। इस वजह से हैंक-यार्न के प्राइसेज ज्यादा हुए हैं जिसके लिए प्रागदा कोटैया जी जानते हैं कि गवर्नमेंट की तरफ से क्या-क्या एक्शन लिए गए हैं।

हालांकि इनकी बात का इस क्वश्चिन से ताल्लुक नहीं है लेकिन ऑनरेबल मेंबर के सैटिस्फैक्शन के लिए मैं हाउस को इन्फार्म करना चाहता हूं कि हमने यार्न एक्सपोर्ट करने वाले मिल ओनर्स को बुलाया और कहा कि जब देश के ऊपर आपत्ति आई है तो इसमें कुछ आपको भी पार्टिसिपेट करना चाहिए। उन्होंने 8 रुपए प्रति किलोग्राम कम करके हैंक-यार्न वीवर्स को सप्लाई किया। लेकिन इसके बावजूद भी वीवर्स को तकलीफ हो रही थी। उनके रेट और बढ़ते जा रहे थे। ऐसे वक्त में हमने 30 करोड़ रुपए गवर्नमेंट ऑफ इंडिया की तरफ से लेकर इनको 15 रुपए किलोग्राम के हिसाब से सब्सिडी देने का फैसला किया है। इसके लिए हम डिपोज खोल रहे हैं और डिपोज़ खोलकर एक अच्छे तरीके से उन लोगों को सप्लाई करने की कोशिश शुरू हुई है।

मैं प्रागदा कोटैया जी को यकीन दिलाना चाहता हूं कि जहां तक हो सकेगा हम गवर्नमेंट ऑफ इंडिया की तरफ से, स्टेट गवर्नमेंट की तरफ से सहायता लेकर हैंक-यार्न के रेट्स में कमी करने की कोशिश करेंगे।

DR. NAUNIHAL SINGH: Madam, I would like to ask the hon. Minister...*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Kotaiah, just let me explain what the - Minister has said; .

SHRI PRAGADA KOTAIAH: Let me explain, Madam. .. .

' THE DEPUTY CHAIRMAN: I am' explaining to you. You please sit down. He says that he is trying to get the price of yarn reduced. Then only the. redressal of' your grievances dan take place.

DR. NAUNIHAL SINGH: 'Madam, I would like to know from the hon. Minister- if during the last three years, any , international marketing survey has been conducted in' various' potential markets of the world by engaging professionals to find out the prospective demand for different varieties .of. textiles in .order to help -organise, systematic production to boost exports. If so, the details may be given.

श्री जी० वेंकटस्वामी: महोदया, हमारे ज्यादातर एग्रीमेंट्स "गैट" फाइनल एक्ट के आने से पहले से है। यूरोपियन यूनियन में जिसमें 12 देश हैं जैसे जर्मनी, फ्रांस, इटली के अलावा किंग्डम आदि, इन यूरोपियन देशों को हम कोटा सिस्टम से निर्यात करते हैं और आज तक उन लोगों की जितनी भी मांग रही है, उसे हम पूरा करते आ रहे हैं।

श्री प्रमोद महाजनः महोदया, इन्होंने क्या पूछा है और वे क्या जवाब दे रहे हैं। क्या हो रहा है?

DR. NAUNIHAL SINGH: Madam, my question has not been answered at all.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: The Member is asking whether a market survey has been conducted or not. The Minister can say "yes" or "no".

DR. NAUNIHAL SINGH: It is a very specific question. I want a specific answer ...*(Interruptions)*

SHRI PRAMOD MAHAJAN: He is not answering what has been asked. This is insult to the Members. He can say that he does not have the information. He can say "yes". He can say "no". The Member is asking about the market survey, but the Minister is talking about the European. community and other things. *(Interruptions)*

वह अपने जो मन में आए बोलते जा रहे हैं।

उपसभापति: अगर आपके पास अभी इसकी जानकारी नहीं हो मंत्री जी तो आप जानकारी करके बता दीजिएगा। अगर आपने मार्केट सर्वे करने का कोई निर्णय नहीं लिया है तो उनका कहना है कि आप निर्णय ले लीजिए क्योंकि "गैट" का एग्रीमेंट साईन होने के बाद इसकी जरूरत पड़ेगी।

श्री जी० वेंकटस्वामी: महोदया, मैं ऑनरेबल मेंबर को यह बताना चाह रहा था कि मार्केट सर्वे गवर्नमेंट की तरफ से नहीं होता। इसके लिए एपेरेल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और अन्य काउंसिल हैं। वे लोग जाते हैं और जाकर उन देशों के अंदर जहां हमारा माल बिकता है, उसका सर्वे करते हैं और उसके लिहाज से हम प्लान बनाते हैं। मैं ऑनरेबल मेंबर को यकीन दिलाना चाहता हूं कि गवर्नमेंट की तरफ से कोई सर्वे इसके लिए नहीं होता है।

SHRIMATI MIRA DAS: Madam, the Minister has replied that he is trying his level best to lessen the price of yarn. I do not doubt his sincerity. I only want to know whether any time-bound programme has been drawn up and when he is going to do it. The families in Andhra Pradesh are dying without work. When is he going to implement it?

श्री जी० वेंकटस्वामी: जहां इम्पलीमेंटेशन शुरू हुआ है चंद जगहों पर वहां पर अभी इम्पलीमेंटेशन में दिक्कत हो रही है। स्टेट गवर्नमेंट से हमने रिक्वेस्ट की है कि इसका इम्पलीमेंटेशन शुरू कर दें।

श्रीमती मीरा दासः अभी बढ़ रहे हैं, इम्पलीमेंटेशन नहीं होगा तो और बढ़ जायेगा।

श्री जी० वेंकटस्वामी: उसकी सहायता के लिए हमने गवर्नमेंट आफ इंडिया की तरफ से 15 रुपये के०जी० देने के लिए डिपो खोलना शुरू किया है।

SHRI PRAGADA KOTAIAH: The lives of millions of handloom workers are at stake. The Minister has not given a satisfactory reply. Therefore, I want a half-an-hour discussion on this question.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We will look into it. Q.No. 606.